IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, August 2022
Impact Factor: 6.252

''पन्ना राष्ट्रीय उद्यान : एक वाणिज्यिक विश्लेषण''

प्रभा परमार* डॉ. विद्युत प्रकाश मिश्रा**
*शोधार्थी (वाणिज्य), शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)
**प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (वाणिज्य), राजभानु सिंह स्मारक महाविद्यालय, मनिकवार, जिला रीवा (म.प्र.)

सारांश – मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था में उद्यानों का महत्वपूर्ण स्थान है, पन्ना नेशनल उद्यान भारतवर्ष का 22वाँ प्रमुख उद्यान होने के साथ ही मध्यप्रदेश का 5वाँ मुख्य उद्यान/पर्यटन स्थल है, जो मध्यप्रदेश के विन्ध्य श्रृंखला में स्थित है। यह मध्यप्रदेश के उत्तर में पन्ना व छतरपुर जिला में विस्तारित है, इस उद्यान को वर्ष 1981 में बनाया गया, जिसे भारत सरकार द्वारा वर्ष 1994 में एक परियोजना के रूप में टाइगर रिजर्व के रूप में घोषित कर दिया गया, यह राष्ट्रीय उद्यान वर्ष 1975 में निर्मित किये गये पूर्व गंगऊ वन्यजीव अभयारण्य के क्षेत्र में सम्मिलित रहा है। आधुनिक समय में इसमें उत्तर एवं दक्षिणी भू–भाग के वन सम्मिलित हैं। पन्ना वन प्रभाग के समीप में स्थित छतरपुर वन क्षेत्र के एक प्रमुख हिस्से को भी इसमें कुछ समय पश्चात् सम्मिलित कर लिया गया था।

प्रस्तावना –

पन्ना राष्ट्रीय उद्यान भारत का एक प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान है इस उद्यान का विस्तार क्षेत्रफल की दृष्टि से 543 वर्ग किमी. तक है। पन्ना राष्ट्रीय उद्यान को रेप्टाइल पार्क के नाम से भी जाना जाता था, भारतवर्ष में निरन्तर बाघों की संख्या में आ रही कमी के कारण ही बाघों को संरक्षण देने हेतु वर्ष 1994–1995 में भारत सरकार व वन मंत्रालय ने यहाँ के कुछ प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान को भी इसमें सम्मिलित कर लिया गया, जिसे पन्ना टाइगर रिजर्व के नाम से भी जगत में ख्याति प्राप्त है। भारत सरकार द्वारा इस राष्ट्रीय उद्यान को वर्ष 2007 में उत्कृष्टता को पुरस्कार से नवाजा गया, जो इसे भारत के अन्य दूसरे राष्ट्रीय उद्यानों की तुलना में अत्यधिक सुव्यवस्थित एवं साफ–सुथरा उद्यान होने के कारण प्रदान किया गया। इस राष्ट्रीय उद्यान के संबंध में यह प्राचीन धारणा है कि महाभारत काल में पाण्डवों ने अपने वनवास का सर्वाधिक समय इस भू–भाग पर व्यतीत किये थे, इतना ही नहीं, अपितु प्राचीनकाल में पन्ना, छतरपुर एवं बिजावर प्रान्तों के शासक इस भू–भाग में आखेट/शिकार किया करते थे। आज मध्यप्रदेश शासन के पर्यटन संस्थान द्वारा हीरों की प्रमुख नगरी पन्ना को एक धार्मिक व पर्यटन स्थल के रूप में चिन्हित कर स्वीकारा गया है, जहाँ पर अनेकों दर्शनीय स्थल पर्यटकों की दृष्टि से विद्यमान हैं, जिनमें एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में पन्ना राष्ट्रीय उद्यान है, जहाँ प्रत्येक वर्ष लगभग एक लाख से भी अधिक पर्यटकों का आगमन होता है।

प्रत्येक क्षेत्र के विकास में कृषि एवं औद्योगिक इकाईयों की अत्यन्त ही महत्वपूर्ण भूमिका होती है, वास्तव में विकास की सम्पूर्ण गतिविधियां कृषि व उद्योग का विस्तार कदाप संभव नहीं है। भारत सरकार का विश्व पर्यावरण संरक्षण के साथ किये गये अनुबंधों के आधार पर राष्ट्रीय उद्यान के भू–खण्ड की सीमा को विस्तारित करने के लिए भू–भागों का अधिग्रहण निरन्तर किया जा रहा है। इसकी वजह से कृषकों एवं सरकार के मध्य लगातार संघर्ष बना रहता है। इसी तरह औद्योगिक संस्थानों से होने वाले अपशिष्ट उत्सर्जन से प्राकृतिक सम्पदा का ह्रास होने संभावनाओं को देखते हुये किसी भी प्रकार के कारखाने को उद्यानों के समीप लगाने हेतु पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। इसकी वजह से अन्य दूसरे आर्थिक उपायों पर दबाव निरन्तर बढ़ता जा रहा है, राष्ट्रीय उद्यानों के इर्द–गिर्द निवास करने वाले लोग अपने प्रारंभिक धंधों, पशु पालन, हथकरघा एवं कुटीर उद्योगों पर ही अत्यधिक निर्भर रहना पडता है। कुछ लोग इनसे असन्तुष्ट होकर आय वृद्धि हेतु वन क्षेत्रों में प्रवेश कर लकड़ी, जड़ी–बूटियों, फल इत्यादि का दोहन करने लगते हैं, जो अवैध तरीके से कार्य कर अपनी आय को कुछ सीमा तक बढ़ा पाने में सफल होते हैं।

पन्ना राष्ट्रीय उद्यान का एक वाणिज्यिक विश्लेषण करने हेतु उद्यान के विकासात्मक घटकों देशी–विदेशी पर्यटकों का आगमन, विदेशी पर्यटकों से विदेशी/देशी आय की प्राप्ति व्यापार, रोजगार के नवीन अवसर, होटल व रेस्टोरेन्ट की आय, कुटीर उद्योगों एवं हस्तशिल्प इत्यादि की सफलता के साथ–साथ आर्थिक विकास के कुछ प्रमुख सूचनकों, राज्य का घरेलू उत्पाद, प्रति व्यक्ति आय, कर राजस्व इत्यादि पर व्यापक प्रकाश डाला गया है। उपरोक्त सूचकों में वृद्धि की दृष्टि से ही पन्ना राष्ट्रीय उद्यान में विकासात्मक एवं सुधारात्मक कार्य हमेशा चलते रहते हैं, जिससे

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, August 2022
Impact Factor: 6.252

स्थानीय व्यक्तियों को दैनिक रोजगार के अवसर मिलते रहते हैं, इससे उनका विकास होने के साथ–साथ यहां की सुन्दरता भी नित्य बढ़ती जा रही है। इसके अतिरिक्त वन विभाग द्वारा नागरिक के विकास हेतु विभिन्न रोजगारोन्मुखी शैक्षणिक कार्यक्रम निरन्तर चलाये जा रहे हैं, जिनमें मुख्य रूप से हस्तशिल्प, फोटोग्राफी, टूरिस्ट गाइड एवं वाहन चालक इत्यादि हैं, जिन्हें सीखने व अपनाने हेतु शिक्षण व सहयोग वन विभाग द्वारा निरन्तर दिये जा रहे हैं। आधुनिकता को दृष्टिगत रखते हुए पर्यटकों की सुविधा व मनोरंजन हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रमों– मंडली, लोक कला एवं लोक मंडलियों इत्यादि को प्रोत्साहन व सहयोग प्रदान किया जा रहा है। पन्ना राष्ट्रीय उद्यान में प्रबंधन के सतत् व कुशल प्रयासों से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं तथा उनकी आर्थिक दशा में पूर्व की तुलना में सुधार हुआ है, राष्ट्रीय उद्यान के आस–पास के व्यवसायियों को शिक्षित व अनुभवी कर्मचारी सहजता से उपलब्ध होने लगे हैं। पन्ना राष्ट्रीय उद्यान से लोगों के रहन–सहन के स्तरों में सुधार हो रहा है, जिससे उद्यान के आस–पास के लोगों में सामाजिक जागरूकता का विकास काफी तेजी से हो रहा है। पन्ना राष्ट्रीय उद्यान का वाणिज्यिक विश्लेषण करने से उद्यान की वर्तमान स्थिति का आकलन किया जाकर अधिकतम सामाजिक कल्याण के साथ क्षेत्र का विकास भी तीव्र गति से नियमानुसार किया जा सकेगा।

उद्देश्य –

किसी भी शोध कार्य को करने/शोध आलेख को लिखने के पीछे शोधकर्ता का कुछ न कुछ उद्देश्य अवश्य होता है, जिससे प्रेरित होकर शोध आलेख/प्रबंध को प्रस्तुत किया जाता है। इस शोध आलेख को लिखने के पीछे भी शोधकर्ता के कुछ प्रमुख उद्देश्य निम्नवत हैं–

- इस शोध आलेख का प्रमुख उद्देश्य यह है कि पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के आस–पास के लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं अथवा नहीं, का मूल्यांकन करना।

  पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के आस–पास के लोगों का स्वयं सर्वेक्षण कर प्राप्त समंकों का विश्लेषण करने से ज्ञात होता है कि इस उद्यान के स्थापित होने से लोगों को रोजगार के अवसर प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सुलभ हुए हैं।
- पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के स्थापित होने से आस–पास के क्षेत्रों के लोगों में शैक्षणिक विकास होना संभव हुआ है अथवा नहीं का मूल्यांकन करना इस शोध आलेख का दूसरा प्रमुख उद्देश्य है।

  इस उद्यान के स्थापित होने से वन विभाग द्वारा लोगों को प्रशिक्षित करने का सकारात्मक प्रयास किया जा रहा है, जिससे आस–पास के क्षेत्रों के लोगों में शैक्षणिक विकास परिलक्षित हो रहे हैं।
- इस राष्ट्रीय उद्यान के स्थापित होने से आवागमन के साधनों पर अनुकूल प्रभाव परिलक्षित हुए हैं अथवा नहीं का मूल्यांकन करना भी इस शोध आलेख का प्रमुख उद्देश्य है।

  इस राष्ट्रीय उद्यान के स्थापित हो जाने से आवागमन के साधनों का काफी विकास हुआ है, जिससे देश व विदेश के पर्यटकों का यहाँ आने में काफी सुलभता मिली है।

  इस शोध आलेख को प्रस्तुत करने के लिए शोधकर्ता ने उपरोक्त उद्देश्यों को केन्द्र में रखकर विश्लेषित किया है, जिससे स्पष्ट होता है कि पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के स्थापित हो जाने से यहां के लोगों का जीवन स्तर काफी समुन्नत हुआ है और इसके साथ ही पन्ना नगर एवं मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को बहुत अधिक सम्बल मिला है।

शोध परिकल्पना –

किसी भी शोध कार्य को करने से पूर्व शोधकर्ता के मस्तिष्क में जो पहली बार विचार उत्पन्न होते हैं उन्हें परिकल्पना की संज्ञा दी जाती है, लेकिन इनकी सत्यता की पुष्टि सांख्यिकीय मापकों के माध्यम से किये बिना उन्हें सत्य नहीं माना जा सकता। इसी दृष्टि से शोधकर्ता ने कुछ प्रमुख परिकल्पनाओं का निर्माण किया है जो क्रमशः इस प्रकार हैं–

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, August 2022
Impact Factor: 6.252

- पन्ना राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना एवं आस–पास के क्षेत्रों के लोगों में शैक्षणिक विकास होने में कोई संबंध नहीं है।

  इस संबंध में बनायी गयी हमारी शून्य परिकल्पना असत्य पायी गयी अर्थात् दोनों चरों में आपस में संबंध है।
- पन्ना राष्ट्रीय उद्यान सं एवं लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होने में कोई संबंध नहीं है। ,

  इस परिप्रेक्ष्य में बनायी गयी हमारी शून्य परिकल्पना असत्य पायी गयी अर्थात् दोनों चरों में एक–दूसरे के बीच आपस में संबंध है।
- पन्ना राष्ट्रीय उद्यान द्वारा लोगों को प्रशिक्षण देने तथा लोगों का प्रशिक्षित होने के बीच कोई संबंध नहीं है। इस परिप्रेक्ष्य में हमारी शून्य परिकल्पना गलत है, अर्थात् दोनों चर एक–दूसरे से संबंधित है।

शोध प्रविधि –

मनुष्य स्वभावतः पृथ्वी का एक जिज्ञासु प्राणी है वह अज्ञात व ज्ञात घटकों का नवीन सिरे से पता लगाने की दिशा में अनवरत आगे बढ़ता जा रहा है। मानवीय समाज की सामाजिक घटनायें भी स्वयं में बहुत जटिल होती है तथा एक घटना के पीछे विभिन्न प्रकार के कारण हो सकते हैं, उन सभी कारणों का यथार्थ रूप से खोज करना कोई सरल कार्य नहीं होता है। जब सामाजिक क्षेत्र की प्रत्येक समस्या का मानवीय समाधान खोजने का एक सुव्यवस्थित प्रयत्न किया जाता है तो उसे ही सामाजिक शोध अनुसंधान, शोध अन्वेषण या खोज के नाम से सम्बोधित किया जाता है।

प्रस्तुत शोध आलेख के लिए प्राथमिक स्तर पर साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से समंकों का संग्रहण किया गया है, जिन्हें तालिकाबद्ध कर प्रतिशत मूल्य निकालकर वास्तविकता का मूल्यांकन किया गया है, इस शोध आलेख हेतु सर्वेक्षण, विवरणात्मक प्रविधि एवं निरीक्षण विधियों का प्रयोग कर वास्तविकता को उद्घटित करने का एक सफल प्रयास किया गया है कि इस राष्ट्र उद्यान से लोगों को रोजगार, प्रशिक्षण एवं आवागमन के साधनों को प्राप्त करने में सुलभता हुयी है।

तथ्यों का विश्लेषण –

शोधकर्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया कोई भी शोध आलेख सही अर्थों में तभी प्रभावी होते हैं जब शोधकर्ता द्वारा उस समस्या की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन किया जाय। इस हेतु यह आवश्यक है कि शोधकर्ता द्वारा शोध अध्ययन में प्रयोग किये गये सम्पूर्ण शोध उपकरणों/तथ्यों द्वारा प्राप्त सभी व्यवस्थित जानकारियों को क्रमबद्ध सारणी में प्रस्तुत किया जाय। शोध क्षेत्र पन्ना राष्ट्रीय उद्यान : एक वाणिज्यिक विश्लेषण में उद्यान के आस–पास के लोगों को इस उद्यान से रोजगार के अवसर से सुलभता एवं आर्थिक विकास के लिए शोधकर्ता ने कुछ प्रमुख शोध उपकरणों की मदद ली है, जिसके द्वारा संग्रहित किये गये तथ्यों को सारणीबद्ध कर विश्लेषण एवं व्याख्या द्वारा प्रस्तुत स्थिति की वर्तमान जानकारी को प्रस्तुत किया है जो निम्नानुसार है–

सारणी क्रमांक–1

पन्ना राष्ट्रीय उद्यान से रोजगार की स्थिति का मूल्यांकन

वर्गान्तर	प्रश्नों की संख्या	उत्तरदाताओं से प्राप्त प्रत्युत्तर			
		हाँ	प्रतिशत (%)	नहीं	प्रतिशत (%)
0-25	300	18	8.18	7	8.75
25-50		20	9.09	5	6.25
50-75		15	6.82	10	12.5
75-100		16	7.27	9	11.25
100-125		15	6.81	10	12.5
125-150		17	7.73	8	10.00

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, August 2022
Impact Factor: 6.252

150-175		20	9.09	5	6.25
175-200		22	10.00	3	3.75
200-225		20	9.10	5	6.25
225-250		18	8.18	7	8.75
250-275		19	8.64	6	7.50
275-300		20	9.09	5	6.25
योग		**220**	**100.00**	**80**	**100.00**

स्त्रोत : प्राथमिक सर्वेक्षण पर आधारित।

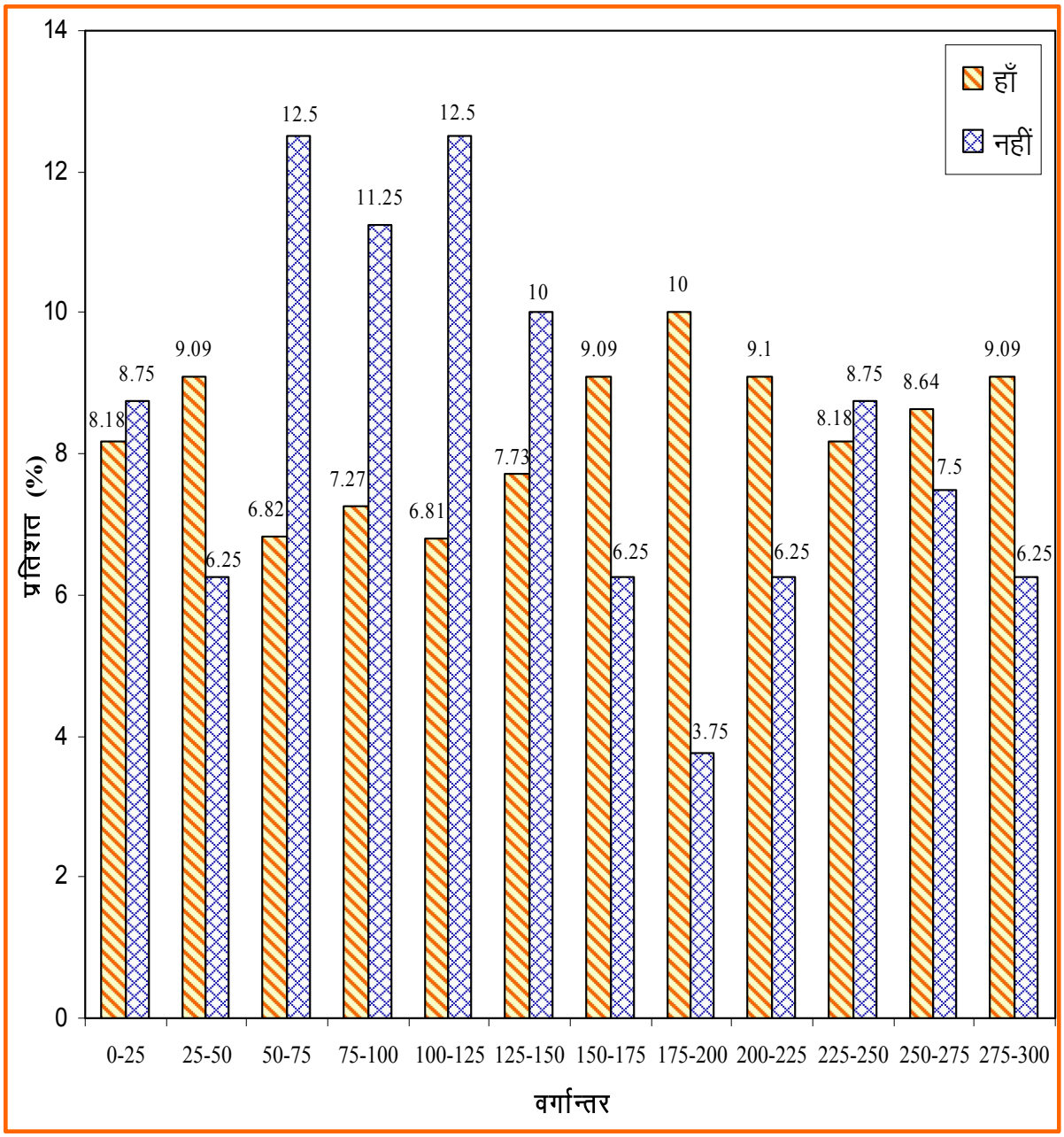

आरेख क्र. 1 : पन्ना राष्ट्रीय उद्यान से रोजगार की स्थिति का मूल्यांकन

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, August 2022
Impact Factor: 6.252

उपर्युक्त सारणी क्रमांक–1 एवं आरेख को देखने से स्पष्ट होता है कि यह पन्ना राष्ट्रीय उद्यान से लोगों को रोजगार के अवसर में वृद्धि हुई है से संबंधि है, जिससे स्पष्ट होता है कि प्राथमिक स्तर पर संकलित किये गये समंकों में सर्वाधिक लोगों ने हाँ पर अपना अभिमत दिया है जिससे यह प्रतीत होता है कि इस राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना से आस–पास के लोगों को रोजगार के वसर प्राप्त हुए हैं जिससे उनकी आर्थिक दशा में सुधार हो रहे हैं।

सारणी क्रमांक–2

पन्ना राष्ट्रीय उद्यान से लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता

वर्गान्तर	प्रश्नों की संख्या	उत्तरदाताओं से प्राप्त प्रत्युत्तर			
		हाँ	प्रतिशत (%)	नहीं	प्रतिशत (%)
0-50	300	45	17.86	5	10.42
50-100		42	16.67	8	16.67
100-150		40	15.87	10	20.83
150-200		43	17.06	7	14.58
200-250		42	16.67	8	16.67
250-300		40	15.87	10	20.83
योग		**252**	**100.00**	**48**	**100.00**

स्त्रोत : प्राथमिक सर्वेक्षण पर आधारित।

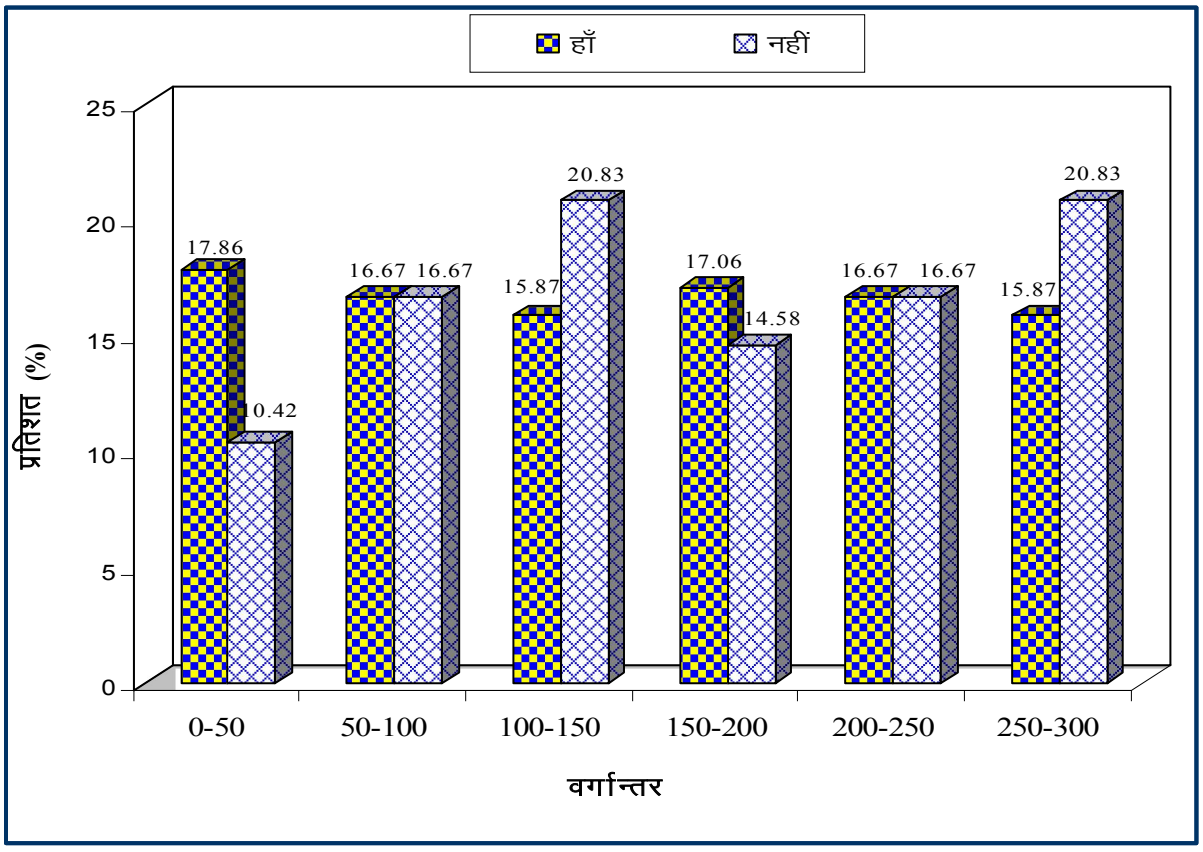

आरेख क्र. 2 : पन्ना राष्ट्रीय उद्यान से लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता

उक्त सारणी क्रमांक–2 एवं आरेख को देखने से स्पष्ट होता है कि पन्ना राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना से आस–पास के लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है, जिसका प्रमुख कारण सर्वेक्षण के दौरान स्पष्ट हुआ है कि

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, August 2022
Impact Factor: 6.252

लोग शिक्षित होना इसलिए चाहते हैं क्योंकि यहाँ पर देश व विदेश के लोग पर्यटन की दृष्टि से देखने हेतु आते हैं, जिन्हें गाइड करने, यातायात व्यवस्था करने इत्यादि हेतु शिक्षित होना जरूरी समझने लगे हैं। इसी वजह से लोगों को शिक्षा का प्रसार तेजी से हो रहा है।

सारणी क्रमांक–3

राष्ट्रीय उद्यान के वन अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण की व्यवस्था

वर्गान्तर	प्रश्नों की संख्या	उत्तरदाताओं से प्राप्त प्रत्युत्तर			
		हाँ	प्रतिशत (%)	नहीं	प्रतिशत (%)
0-50	300	38	15.38	12	22.65
50-100		40	16.19	10	18.87
100-150		42	17.01	8	15.09
150-200		40	16.19	10	18.87
200-250		45	18.22	5	9.43
250-300		42	17.01	8	15.09
योग		**247**	**100.00**	**53**	**100.00**

स्त्रोत : प्राथमिक सर्वेक्षण पर आधारित।

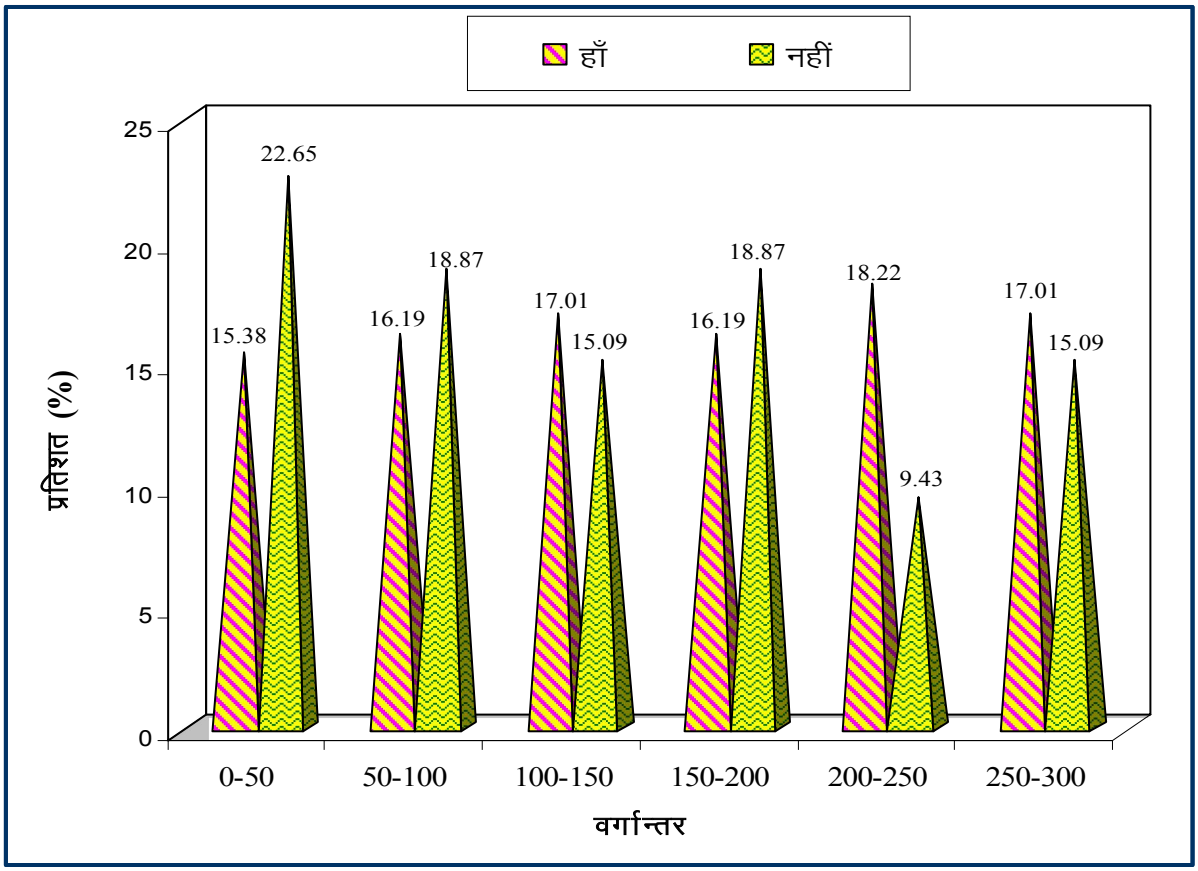

आरेख क्र. 3 : राष्ट्रीय उद्यान के वन अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण की व्यवस्था

उपरोक्त सारणी क्रमांक–3 एवं आरेख को देखने से स्पष्ट होता है कि पन्ना राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना से वन विभाग के अधिकारियों द्वारा आस–पास के क्षेत्रों के लोगों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे लोग

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, August 2022
Impact Factor: 6.252

पर्यटकों का मार्गदर्शन सरलता पूर्वक कर सकें और अपना स्वयं का रोजगार भी प्रारंभ कर सके। इससे उनका सामाजिक जीवन समुन्नत हो रहा है। उक्त तथ्य के संबंध में 300 लोगों में से 247 लोगों ने उसे स्वीकार किया है।

उपसंहार –

पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के स्थापित हो जाने से इस क्षेत्र के लोगों में नवाचार की धारा प्रवाहित होने लगी है, लोग इस उद्यान से जुड़कर अपना जीवन उन्नत बनाने में लगे हुए है। इस उद्यान ने आस–पास के लोगों को रोजगार के अवसर सुलभ कराने के साथ–साथ स्वरोजगार करने की भी सबल प्रेरणा प्रदान कर रही है, जिससे लोग धीरे–धीरे आत्मनिर्भर होने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। पन्ना राष्ट्रीय उद्यान में पहुँचने के लिए हवाई पट्टी, रेलमार्ग व सड़क मार्ग तीनों प्रकार की सुविधायें देशी व विदेशी पर्यटकों के आगमन को दृष्टिगत रखते हुए संचालित की गयी है। जिससे आस–पास के लोगों को स्वरोजगार के अच्छे अवसर सुलभ हुए हैं। इस उद्यान को देखते हुए आस–पास के क्षेत्रों में लोगों द्वारा स्वरोजगार की दृष्टि से होटल, रेस्टोरेन्ट एवं अन्य हस्तशिल्प से संबंधित वस्तुओं की दुकानें भी संचालित करने का अवसर प्राप्त हुआ है क्योंकि इस राष्ट्रीय उद्यान के भ्रमण हेतु देशी व विदेशी पर्यटकों का आगमन हमेशा बना रहता है, इसकी वजह से लोगों को एक अच्छा बाजार स्थानीय स्तर पर सहज रूप में सुलभ हो जाने से लोगों की आवश्यकतायें भी सफलतापूर्वक पूर्ण हो पा रही है। पन्ना राष्ट्रीय उद्यान से यहां के आस–पास के लोगों का जीवन स्तर धीरे–धीरे सुधर रहा है, इतना ही नहीं इस उद्यान से मध्यप्रदेश का आर्थिक विकास भी सुनिश्चित हो रहा है।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

[1]. निर्मल, रमेश – मध्यप्रदेश एक टूरिस्ट नजर, महिश्मति प्रकाशन, उज्जैन, 1983
[2]. त्रिवेदी एवं त्रिवेदी – शोध प्रविधि, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा, 1999
[3]. चौपड़ा, सुधीता – भारत के पर्यटन एवं विकास, आशीष पब्लिशिंग, नई दिल्ली, 1991
[4]. शर्मा, के.के. – भारत में पर्यटन, क्लासिक पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1991
[5]. संकेतक दर्शिका, पन्ना टाईगर रिजर्व, पन्ना, मध्यप्रदेश, 2010
[6]. पन्ना टाईगर रिजर्व फोल्डर, पन्ना, मध्यप्रदेश, 2004